ठाकुर याद कर रहा है। एक मलगाड़ी दिखाई देती है। उस में जय, बीरू, और ठाकुर बलदेव सिंह इंस्पेक्टर की वर्दी पहने बैठे हैं। जय और बीरू की हथकड़ी लगी है।

बीरू - थानेदार साहब, आप कभी दील्लुपुर थाने पर भी थे?
ठाकुर बलदेव सिंह - हां, पहले था। क्यों?
बीरू - हां SSS। अब याद आया। जब से आपने पकड़ा है, तब से सोच रहा हूँ कि आपको पहले कहाँ देखा है। वहाँ पर लालजी भाई बनिया की दुकान थी न? जहाँ चोरी हो गयी थी। याद है आपको?

ठाकुर बलदेव सिंह - लालजी भाई बनिया? नहीं तो।
बीरू - नहीं याद? (जय की जगात हुए) जय! जय! याद है जब हम दो दिन के लिये दील्लुपुर थाने में बंद हुए थे?
जय - (जागकर) दील्लुपुर थाना?
बीरू - हाँ।
जय - कब बंद हुए थे?
बीरू - अबे। जब वह, बनिये की दुकान का ताला तोड़ा था। तब थानेदार थे ही तो थे। नहीं पहचाना?

जय - मुझे तो सब पुलिसवालों की गुरूँ एक जैसी लगती हैं।
बीरू - अब, अब क्या बोलूँ? इस की तो आदत है बकबाद करने की।

ठाकुर बलदेव सिंह - तुम दोनों ये धंधे कितने दिनों से कर रहे हो?
बीरू - बस यह समझिये थानेदार साहब। हीं समझाते ही अपने पैंतों पर खड़े हो गये।

ठाकुर बलदेव सिंह - क्यों करते हो यह सब?
बीरू - जिसलिये आप पुलिस की नीकरी करते हैं - पेसा।
ठाकुर बलदेव सिंह - नहीं, मैं पुलिस की नौकरी सिर्फ़ पेसों के लिये नहीं करता।
उस के लिये तो मेरे पुराने की खेती-बाड़ी ही काफ़ी है।
शायद खुदारों से खेलने का शीर्ष है मुझे।
जय -
हम भी तो रोज़ खुदारों से खेलते हैं।
ठाकुर बलदेव सिंह - फर्क है। मैं काठून की हिफ़ाज़त के लिये खुदे मोल लेता हूँ और तुम काठून तोड़ने के लिये।
जय -
और दोनों ही कामों में बहादुरी की जूत्तत होती है।
बीरु -
हाँ, जूत्तत होती है।
ठाकुर बलदेव सिंह - अच्छा। तुम अपने आपको बहुत बहादुर समझते हो?
बीरु -
अगर मीठी मिले तो देख लेना थानेदार साहब। हम दोनों पट्टह बोस पर तो मारी पड़ेगे। क्यों जय, मेरे ज्यादा तो नहीं बोल गया?
जय -
पार्टनर, बोल ही दिया तो देख लंगे।
बीरु -
देख लंगे।
(अचानक कुछ डाकू रेलगाड़ी पर गोलियाँ चलाने लगते हैं।)
ठाकुर बलदेव सिंह - डाकू।
जय -
क्यों थानेदार साहब। बहादुरी आजमानी है?
बीरु -
थानेदार साहब, अभी भी वक़्त है। सोच लीजिये।
ठाकुर बलदेव सिंह - (पिस्तौल उठाकर जय और बीरु की हथकड़ी की ऊर्जा गोली चलाता है। हथकड़ी टूट जाती है।) लेकिन भागने की कोशिश मत करना।
(लड़ाई होती है। कई डाकू मारे जाते हैं। बीरु गाड़ी के इंजन में पहुँचकर ड्राइवर से कहता है।)
बीरु -
ड्राइवर, ट्रेन रोको। गाड़ी आगे ले चलो। और जितनी तेज़ी से ले का सबके हो ले चलो। आगे चलो। आगे।
चलानेवाला -
-------(अस्पष्ट)

ड्राइवर और बीरु में बहस होती है। ड्राइवर गाड़ी के इतनी तेज़ी से चलने के कारण बहुत चिंतित है। गाड़ी एक मुरुगा पार करती है। आगे लकड़ियों का एक दर पटरी पर गाड़ी को रोकने के लिये पड़ा है। पर तेज़ चलने के कारण गाड़ी उस पर ही कर निकल जाती है, पलटती नहीं। बीरु खुशी से उखलता है। लड़ाई अभी भी चल रही है।
(ठाकुर के सीने में गोली लग जाती है। वह गिरता है और जय उस के पास आ कर पूछता है।)

जय - थानेदार साहब, आप ठीक हैं?
ठाकुर बलदेव सिंह - मैं ठीक हूँ।

रेलगाड़ी में एक आदमी से लड़का बीरू उसे नीचे फेंकता है।

बीरू - बीरू से टकरा... (जय के पास पहुँचता है)
मार गये साले।
जय - हाँ।
बीरू - चल, जल्दी चल।

ठाकुर बलदेव सिंह जिस के सीने में गोली लगी हुई है, डब्बे के अन्दर से अपने हाथ में बटूक़ लिये बाहर निकलता है।

ठाकुर बलदेव सिंह - मैंने कहा था, भागने की को...

बेहोश हो कर वह गिरता है। दोनों उस के पास जा कर देखते हैं।

बीरू - क्या बोलता है?
जय - भाग तो सकते हैं।
बीरू - इसे इस हालत में छोड़कर?
जय - इस हालत में छोड़ा तो यह मर जाणा।
बीरू - और अगर अस्पताल ले गये तो गये चार है महीने के लिये अन्दर।
बीरू - हैं।
जय - क्या बोलता है?
जय - तू बोल।
बीरू - निकाल वही।

जय अपनी जेब से एक सिक्का निकालता है।

जय - Heads, अस्पताल ले चलते हैं। Tails, भाग चलते हैं। Heads.
थाना = (police) station (m)
पकड़ना = to catch, apprehend (vt)
बिन्यास = merchant (m)
चोरी होना = to be stolen (vi)
जगाना = to wake, arouse (vt)
बंद होना = to be locked up, closed (vi)
तोड़ना = to break (vt)
पहचानना = to recognize (vt)
बूढ़ = face, countenance (f)
एक जैसा = the same (adj)
आदत = habit (f)
बकबक करना = to talk nonsense (vt)
भंडार = business, trade (m)
होश सम्भालना = to gain consciousness (vt)
होश सम्भालते ही = as soon as gaining consciousness (adv)
पैर = foot (m)
पूरवर = ancenstors (m)
खेती बारी = farming (f)
ख़तरा = danger (m)
शौक = hobby (m)
कानून = law (m)
हिफाज़त = protection (f)
मोल लेना = to court (danger) (vt)
बहादुरी = courage (f)
बहादुर = valient (adj)
मौका = opportunity (m)
x पर भारी पड़ना = to be a match for x (vi)
ज़्यादा बोलना = to exaggerate
अचानक = suddenly (adv)
डाकू = dacoit (m)